



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 52]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 2, 1983/माघ 13, 1984

No. 52] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 2, 1983/MAGHA 13, 1904

इस भाग में खिल पछ संख्या वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate filing is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1983

का० आ० 82(अ)/18चब/आइ०आर०ए०/83 :—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 958(अ) 18-चब/आइ०आर०ए०/80, तारीख 10 दिसम्बर, 1980 द्वारा (जिसे इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चब की उपधारा (1) के खण्ड (ख) हाँ प्रदस शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह योग्यता की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, कारों, व्यवसायानों, पंचाटों, स्थायी आवेदों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न जो 4 फरवरी, 1978 के पश्चात् किए गए हैं, हुए हैं या प्रवृत्त होते हैं) जिनका आधिकार विवरण राज्य के शी कानूनियां जिले के बोरिलों में जीवनी के विनियोग में लगे मैसर्स श्री राम शुभर्तु एवं इण्डस्ट्रीज लिमिटेड एक का उक्त एक का स्थानित रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो उक्त एक का कम्पनी को लागू हो, प्रवर्तन 3 अगस्त, 1981 तक की अवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, निलम्बित रहेगा और उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोटोकूल या उद्धृत होने वाले सभी अधिकार, विवेताविकार, बाध्यताएं और विवित उक्त अधिकार के लिए निलम्बित रहेंगे;

श्रीर केन्द्रीय सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के क्रमांक: आदेश सं० का०आ० 622/18-चब/आइ०आर०ए०/81,

तारीख 4 अगस्त 1981 और का०आ० 550(भ)/18 चब/आई०आ० आर० ए०/82 तारीख 2 अगस्त, 1982 द्वारा उक्त आदेश की अवधि सभी मामलों की बाबत (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत वायिक्षण से संबंधित हैं) 3 अगस्त, 1983 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित जारी रखी गई थी।

श्रीर केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि सभी मामलों की बाबत (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत वायिक्षण से संबंधित हैं) 3 अगस्त, 1983 तक को जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है छह मास की अवधि के लिए बढ़ा दी जानी जाएगी।

प्रति: केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-चब की उपधारा (2) द्वारा प्रदस शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि सभी मामलों की बाबत (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत वायिक्षण से संबंधित हैं) 3 अगस्त, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की और अवधि के लिए बढ़ाती है।

[का० मं० 4(4)/78 सी०प०ए०स०]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
ORDER

New Delhi, the 2nd February, 1983

S.O. 82(E)18FB|IDRA|83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Develop-

ment), No. S.O. 958(E)/18FB/IDRA/80, dated the 10th December, 1980 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of subsection (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those which have been entered into, arrived at or come into force after the 4th February, 1978), to which the unit of Messrs. Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh or the Company owning the said unit is a party or which may be applicable to the said unit or company, shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 3rd August 1981 and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the date of issue of the said order shall remain suspended for the said period;

And, whereas, by the Order of Central Government in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 622(E) 18FB IDRA/81, dated the 4th August, 1981 and S.O. 550(E) 18FB IDRA/82 dated the 2nd August, 1982 respectively the duration of the said Order was continued upto and inclusive of 3rd February, 1983 (in respect of all matters except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions).

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) should be extended for a further period of six months upto and inclusive of 3rd August, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) for a further period of six months upto and inclusive of 3rd day of August, 1983.

[File No. 4(4)178-CUS]

आदेश

कां० आ० 83(अ) / 18कक्षा/आइडी०आर०ए०/83 — प्राचीन संस्कार के उद्योग संवालन्य (प्रौद्योगिक विकास विभाग) के आदेश में० 63 (प्र) / 18कक्षा/आईडी०आर०ए०/78 सार्विक । फरवरी, 1978 द्वारा (जिसे इसमें प्रमुख प्रश्नात् उक्त आदेश का गया है) प्राचीन प्रदेश गण्डम के श्री कामुलम जिले के बावनी में जानी विनिर्माणमें लगे हुए मैरस आ गम रायगढ़ पाट्टा छण्डस्थीम लियिए थे प्रकृति का (जिसे इसमें इसके पालान तक श्रौद्धिक उत्तर्पन कहा गया है) प्रबन्ध उद्योग

(विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (195) का 63) धारा 18 कक्ष की उपधारा (1) के अंडे (ब) के अधीन उस आदेश के बजाय में प्रभाग वी कार्यक्रम में तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था पारिषद नियाम शुल्क फैलाव विस्तृट का उक्त श्रोतायाक इनकम का प्रबन्ध 1 हजार रुपये के लिए प्रधिकृत किया गया था।

ओं भारत मरवार ने इयोग मवालय (प्रौद्योगिक विद्यालय) के अधीन आदेश सं० १०५४८० १०१ (अ), नारीश ३१ मवालय, १९८० और का०आ० ६१९(अ), नारीश ३ श्रमस्त, १९८१ और का०आ० ५४९(अ) नारीश २ श्रमस्त, १९८२ द्वारा आदेश ३५४८८, १९८३ द्वारा भी प्रबन्धि के द्वारा, जिसमें यह शारीरिक भी मन्मित्रित है, जारी रखा गया था।

और बंद्रीय भारत की गय है कि लाकहिं में यह समीक्षा है कि उस शोधाग्रह उपक्रम निशान घगर फैटडी लिमिटेड के प्रबन्ध संघीन 3 अगस्त, 1983 तक की छह मास की और अवधि के लिए, त्रिमौष्ण्य तारीख सी समिक्षित है अन्त इन चाहिए।

अन बैन्डीश मराठा, उर्योग (विकास और विनियमन) काधिनियम, 1951 (1951 का 65) की भारत 18कल की उर्यारा (3) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, यह नियंत्रित होती है कि उक्त आदेश 3 अप्रैल, 1983 तक, जिसमें वह नारीशर्मा समितिल है, वह साम की ओर अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा० म० ४ (४) / ७४-मी०य० एम०]
गा० पो० शश्वत्, भंगत्तु भद्रिय,

ORDER

S.O. 83(E) 18AA IDRA 83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), No. S.O. 65(E) 18AA IDRA 78, dated the 4th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the unit of Messrs Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years from the date of publication of the said Order in the Official Gazette and the Nizam Sugar Factory Limited was authorised to take over management of the said industrial undertaking :

And, whereas by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 901(E), dated the 21st November, 1980, S.O. 619(E) dated the 3rd August, 1981 and S.O. 549(E) dated the 2nd August, 1982 respectively the said Order was continued for a period upto and inclusive of 3rd February, 1983 :

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the Public Interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Nizam Sugar Factory Limited for a further period of six months upto and inclusive of the 3rd August, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of In-

dustries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 3rd August, 1983.

[File No. ४(4)७८-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.

